

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत किया गया पौधरोपण

दुमका, प्रतिनिधि। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने दुमका स्थित जिला सहकारिता कार्यालय में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना और लोगों को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में नाबार्ड दुमका के जिला विकास प्रबंधक शुभेंद्र कुमार बेहरा, जिला सहकारिता अधिकारी दुमका कर्मवीर मेहता, झारखंड राज्य सहकारी बैंक (जेएसटीसीबी) के निदेशक सी.पी. सिंह, झारखंड राज्य सहकारी बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक मुकेश कुमार और संयुक्त निबंधक कार्यालय तथा प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के



पौधरोपण करते नाबार्ड के अधिकारी व अन्य।

प्रतिनिधियों सहित अधिकारी किशोर सिन्हा व अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में पौधे लगाए। यह पहल पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने और ग्रामीण विकास को

समर्थन देने के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है। नाबार्ड के प्रयास पर्यावरण जागरूकता और सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना क्षेत्र की पारिस्थितिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस मौके पर कई फलदार पौधे लगाए गए।

एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम ने दुमका में पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा दिया

झारखंड की हकीकत

दुमका, 2025 - अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने हाल ही में दुमका स्थित जिला सहकारिता कार्यालय में "एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना और स्थायी प्रथाओं को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में नाबार्ड दुमका के जिला विकास प्रबंधक शुभेंदु कुमार बेहरा, जिला सहकारिता अधिकारी दुमका श्री कर्मवीर मेहता, झारखंड राज्य सहकारी बैंक (जेएसटीसीबी) के निदेशक श्री सी.पी. सिंह, झारखंड राज्य सहकारी बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री



मुकेश कुमार और संयुक्त निबंधक कार्यालय तथा प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान,

प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में पौधे लगाए। यह पहल पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने और ग्रामीण विकास को

समर्थन देने के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है। नाबार्ड के प्रयास पर्यावरण जागरूकता और सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना क्षेत्र की पारिस्थितिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सहकारी बैंकों और पैक्स के साथ मिलकर काम करके, नाबार्ड का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करके, नाबार्ड ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। जिला-स्तरीय अधिकारियों और पैक्स प्रतिनिधियों की भागीदारी इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व को रेखांकित करती है।

“मित्तेन दारे एंगात जुतुम” कामीहोरा दो दुमका रे ओनोरोल जागवारे आड़ती केदा



खोबोरिया

दुमका। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 लासाइहांत रे, राष्ट्रीय कृषिआर ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) दो हाली रे गे दुमका रे मेनाकजिला सहकारिता कार्यालय रे "एक पेड़ माँ के नाम" कामीहोरायओराम केदा। नोआ कामी रेयाक् जोस दो टोठा रे ओनोरोलजागवार पासनाव आर सेदाय खोन हेच् आगुवाकान दारे रेहोय आरीहोरा उसकुर गे ताहेकाना। कामीहोरा रे नाबार्ड दुमका जिला

विकास प्रबंधक शुभेंदु कुमार बेहरा, जिला सहकारिता अधिकारी दुमका श्री कर्मवीर मेहता, झारखंड राज्य सहकारी बैंक (जेएसटीसीबी) रेन निदेशक श्री सी.पी. सिंह, झारखंड राज्य सहकारी बैंक रेन क्षेत्रीय प्रबंधक श्री मुकेश कुमार आर संयुक्त निबंधक कार्यालय आर प्राथमिक कृषि ऋण समिति (पीएसीएस) रेन आयुर्माडेर सांवते आसोल अधिकारीको सेटेराकानताहेकाना। कामीहोरा ताला रे, आरदासिया दो ओनोरोल बांचाव दोहोयबाबोत रे आपनार लागियापाड़ाव रेयाक् चिन्हा रूप रे दारेकोरोहोय केदा। नोआ कामी दो ओनोरोल जोगाव दोहोय रेयाक् आरीहोरा जोरात् आर ग्रामीण विकास जोरात् रेयाक् जोस काना। नाबार्डक कुरुमुटू दो ओनोरोल बाखरा जागवार आर चास-बास होरा जोरात् लागित् ते आड़ितेत् गे मोहोतानाक् गेया। सहकारी बैंक आर पैक्स सांवते मिलाउ काते कामी, नाबार्डक जोस आतो गातांक तेंगो केटेचको आर जोतोको ते लाहान्ती होयोक् रे जोरे एमावात् काना।





